राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–89/2026

राज्यपाल ने बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के व्यावसायिक समागम में भाग लिया

पटना 23 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के शताब्दी वर्ष में आयोजित व्यावसायिक समागम को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के पास युवा शक्ति, कृषि संसाधन, पर्यटन और उद्यमशीलता जैसी बड़ी ताकतें हैं। इन शक्तियों को औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, नवाचार और निवेश में बदलने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज ने पिछले 100 वर्षों में व्यापारिक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के साथ–साथ राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने संस्था की सामाजिक प्रतिबद्धता, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और आपदा के समय सहयोगात्मक भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान और सभ्यता की प्राचीन भूमि रहा है। नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय की परंपराएँ आज भी बिहार को विशेष पहचान देती हैं। बिहार देश के सबसे युवा राज्यों में से एक है और युवाओं की ऊर्जा तथा प्रतिभा राज्य की सबसे बड़ी पूँजी है।

उन्होंने बिहार में कानून–व्यवस्था, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य सेवाओं और विमानन क्षेत्र में हुई प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि आर्थिक परिवर्तन के लिए सरकार, उद्योग जगत, वित्तीय संस्थानों, शिक्षण संस्थानों और समाज के बीच मजबूत साझेदारी जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि औद्योगिक विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, स्टार्टअप प्रोत्साहन, जीएसटी सुधार, भूमि आवंटन और नियामकीय सरलीकरण जैसे विषय बिहार के विकास के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि निवेश वहीं बढ़ता है जहाँ पारदर्शिता, प्रभावी व्यवस्था और विश्वास का वातावरण हो।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा पर बल देते हुए कहा कि सौर और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने बिहार के भविष्य को लेकर अपनी कल्पनाएँ भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि वे भारतीय नौसेना में आई०एन०एस० पटना नामक युद्धपोत, वर्ष 2028 में पटना में सेना दिवस परेड तथा पटना पैट्रिओट्स नामक आईपीएल टीम का सपना देखते हैं। उन्होंने कहा कि खेल और सकारात्मक आकांक्षाएँ समाज में आत्मविश्वास का निर्माण करती हैं और बिहार को इसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

.....